भक्तिन
लेखिका – महादेवी वर्मा

पाठ के आश –

1- भक्तिन अपना वास्तविक नाम लोगों से क्यों छुपाती थी? भक्तिन से यह नाम किसने और क्यों दिया होगा?

उत्तर- भक्तिन का असली नाम 'लक्ष्मिन' अर्थात् लक्ष्मी था, जो उसके माता-पिता द्वारा दिया गया होगा ताकि इस नाम का उच्चारण करने से लक्ष्मी जी की कृपा अधिक हो, लेकिन भक्तिन के जीवन में सब कुछ इसके विपरीत ही हुआ। वह अपना समृद्धिसूचक नाम बताकर किसी के व्यंग्य का सामना नहीं करना चाहती थी।

लेखिका के पास आकर वह उनसे प्रार्थना करती है कि उसे उसके असली नाम से न पुकारें, इसी कारण वह अपना असली नाम लोगों से छुपाती थी। भक्तिन का नया नाम महादेवी वर्मा ने उसे कंठी-माला और मुंड़े हुए सिर को देखकर दिया होगा।

2- दो कन्या-रत्न पैदा करने पर भक्तिन पुत्र महिमा में अंधी अपनी जिठानियों द्वारा घृणा व उपेक्षा का शिकार बनी। ऐसी घटनाओं से ही अक्सर यह धारणा चलती है कि स्त्री ही स्त्री की दुश्मन होती है। क्या आप इससे सहमत हैं?

उत्तर- हमारा समाज पितृसत्तात्मक है जिसकी यह प्रबल मान्यता है कि पुत्र ही वंश को आगे बढ़ाता है, अतः पुत्र के जन्म पर बधाइयाँ व पुत्री के जन्म पर शोक का मर्म छिपा होता है। इस कार्य में पुरुषों की अपेक्षा स्त्रियाँ अधिक आगे रहती हैं। प्रस्तुत पाठ में भी भक्तिन की सास और जिठानियाँ ऐसी ही महिलाएँ हैं।

एक अन्य कारण यह भी है कि पुत्र को